मङ्गल सम्पर्क

Mangal Sampark

March-April, 2016

Mangalayatan University E-News Letter by PR Unit

Charged with more enthusiasm and vibrancy in his II Innings

Prof. S.C. Jain joins as new Vice Chancellor of MU

A renowned academician Prof. S C Jain took over the charge of the Vice Chancellor of Mangalayatan University-the leading private university in northern region. This is his second term with the varsity as Vice Chancellor. After taking the charge as the VC, he addressed a meeting of the Deans and Directors of the various institutes. He presented his vision and approach for the overall development of the varsity in the meeting.

Born in Aligarh in 1948, Prof Jain is an engineering graduate from AMU. He did his M Tech in 1971 from IIT Roorkee (formerly University of Roorkee) and started his career in teaching from there. He was awarded PhD for his research on Hydrodynamic Bearings by Roorkee University. During his teaching career spanning over four decades he had many prestigious academic and administrative positions at IIT Roorkee. Not to be content with this he has also guided a number of research scholars and authored more than a hundred research papers. After his first tenure as Vice Chancellor of MU, Prof. Jain joined IIT, Mandi as Dean and contributed a lot there.

During his previous term (December 2009 to January 2014), with the university, he set a benchmark in professional quality education and developed a highly efficient working environment for the staff and faculty. He is particularly focussed on raising high academic standards and providing opportunities for everyone to grow. Talking about his priorities Prof. Jain informed that he would carry on the good work by his predecessor Brig. (Dr.) S. S. Pabla. "My focus areas include obtaining NAAC accreditation, project based teaching, providing state of art infrastructure for students, placement and overall personality development of students" he added.

Prof. Jain also emphasised the need for extracurricular and sports activities for the personality development of students.

MU Bids Adieu to Brig. Pabla

Mangalayatan University bid farewell to Brig. (Dr.) Surjeet S. Pabla who completed his two year term as Vice Chancellor on February 29. In his emotional address Chairman Shri Pawan Jain highlighted Dr. Pabla's contribution in streamlining the functioning of the University. "Brig. Pabla only physically moves away from us, however, no power on earth can separate him from us. He shall always remain emotionally attached with us. His heart continues to beat for us."

In his parting speech the Brig. Pabla acknowledged the generous support he received from his colleagues in the University.

मंगलायतन विश्वविद्यालय में इन्टलैक्चुअल प्रॉपर्टी राइट प्रकोष्ठ की स्थापना

नवाचार और बौद्धिक क्षमताओं को सहेजकर रखने के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ की महती भूमिका है। बौद्धिक लोगों को जागरूक होना होगा क्योंकि भारत में पायरेसी जैसे कार्यों से बौद्धिक सम्पदाओं का दुरुपयोग भी हो रहा है। ये बातें इलाहबाद न्यायालय के न्यायाधीश आदित्य नाथ मित्तल ने अपने संबोधन में कहीं।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में विधि विभाग द्वारा इन्टलैक्चुअल प्रोपर्टी राइट सेल की स्थापना की गई है। प्रकोष्ठ के उद्घाटन के मौके पर शिप्रा हॉल में आयोजित कार्यक्रम में श्री मित्तल ने कहा कि ये खुशी की बात है कि उत्तर प्रदेश में मंगलायतन विवि ऐसा पहला विवि है जिसकी अपनी आईपीआर सेल होगी। इससे विवि बौद्धिक सम्पदाओं का पेटेंट करा सकता है। उन्होंने कहा कि डिजाइन, ट्रेडिंग, संगीत, कविता आदि का कापीराइट होता है। इसके दुरुपयोग करने पर क्लेम की भी कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। श्री मित्तल ने कहा कि इस समय साइबर क्राइम बढ़ गया है। इस पर रोक के लिए कानूनी सहारा लिया जा सकता है।

कुलपति प्रो0 सतीश चंद्र जैन ने आईपीआर सेल की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि तकनीक का युग है और नए विचार, नए अनुसंधान हो रहे हैं लेकिन उनको सुरक्षित रखने की समस्या सामने आती है। इसके लिए प्रकोष्ठ की आवश्यकता होगी। उन्होंने पेटेंट की बात करते हुए कहा कि चीन के पास करीब 5.50 लाख पेटेंट हैं पर भारत में यह संख्या कम है। भारत में इसकी संख्या में वृद्धि के लिए पहले विचार, जानकारी, बुनियादी बातें आदि को समझना होगा।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में विधि विभाग द्वारा स्थापित इन्टलैक्चुअल प्रोपर्टी राइट सेल का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री एएन मित्तल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधि विभाग के निदेशक प्रो0 सलीम अख्तर ने कहा कि नवाचार और अनुसंधान होते रहने चाहिए। ये आज की युवा पीढ़ी कर सकती है। उस नवाचार को सहेजने और सुरक्षित रखने के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार सेल की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में कोई भी विवि नवाचार के बिना नहीं चल सकता।

एक मिनट राष्ट्र के लिए भी देने का आह्वान

अलीगढ़ जिला कारागार के अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने यहां छात्रों और शिक्षकों से 24 घंटे में एक मिनट राष्ट्र के लिये सोचने का समय निकालने का आह्वान किया। इसके पीछे . दृष्टकोण यह है कि सवा सौ करोड़ भारतीय ऐसा करेंगे तो यह समय सवा सौ करोड़ मिनट हो जायेगा और यह समय देश में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिये पर्याप्त है।

डॉ. शर्मा ने मंगलायतन विश्वविद्यालय के ठसाठस भरे क्षिप्रा सभागार में न्यू डाइमेंशन ऑफ मैनेजमेंट टुडे विषय पर अतिथि व्याख्यान देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती असमानताओं पर गंम्भीर चिंता व्यक्त की और कहा कि 5 प्रतिशत अमीर लोग 95 प्रतिशत गरीबों पर कब्जा जमाये बैठे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह असमानता आईआईटी, आईआईएम और विदेशों के प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों और देहात के शैक्षिक संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों के बीच आसानी से देखी जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इन असमानताओं को समय रहते समाप्त नहीं किया गया तो मिस्र जैसी तख्ता–पलट की घटनाओं की पुनरावृत्ति और देश के विखण्डन का संकट और बढ़ जायेगा।

उत्तर प्रदेश के युवा जेल अधिकारी ने अपने व्याख्यान में छात्रों से ब्रिटिश, रोमन, सोवियत संघ और मुगल साम्राज्यों के पतन के इतिहास का गंभीर अध्ययन करने का परामर्श देते हुए कहा कि इसके पीछे भ्रष्टाचार एक बड़ा कारण था। इस पर देश के नीति–निर्माताओं एवं प्रबुद्ध जनों को ध्यान देने की महती जरूरत है।

प्रश्नोत्तर काल में कुलसचिव कमा0 मंजीत सिंह के प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री शर्मा ने कहा कि कैदियों को सामान्य नागरिक बनाने के लिए संगीत, खेल, आर्ट आदि क्षेत्रों जिसमें कैदी की रुचि हो, प्रेरित करते हैं। उन्होंने मंगलायतन विवि में पुस्तकालयध्यक्ष डॉ0 अशोक उपाध्याय की सराहना करते हुए कहा कि उनके सहयोग से अभी तक लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा और अलीगढ की जैलों में आधुनिक लाइब्रेरी बनाई हैं।

इंटरनेट का उपयोग सकारात्मक कार्यों के लिए करने पर जोर

मंगलायतन विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में पत्रकारिता के विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान विशेष संवाददाता 5आब टीवी श्री गुरूकृपाल सिंह 'अश्क' ने कहा कि मोबाइल आज का सेवंथ मीडिया बन चुका है। इसे आप कैमरे, रिकॉर्डर, संपादन आदि के लिए प्रयोग कर सकते हैं। इसने मीडिया जगत में अच्छी पैठ पिछले कुछ साल में बना ली है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट दोधारी तलवार है। इसे बहुत सोच समझ कर सकारात्मक कार्यों के लिए प्रयोग करें।

पूर्व में जनसत्ता, इंडियन एक्सप्रेस, द टाइम्स ऑफ इंडिया और विभिन्न इलैक्ट्रोनिक चैनल्स में सेवाएं दे चुके श्री गुरूकृपाल सिंह अश्क ने छात्र–छात्राओं से पत्रकारिता जगत पर वार्तालाप किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं को बताया कि जनसंचार के माध्यमों का पत्रकारिता में बहुत अहम स्थान है। विशेष कवरेज के लिए गूगल की मदद भी ली जा सकती है। ट्विटर पर एक्टिव रहना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किसी भी समाचार पर काम करते समय उसे एक बार क्रॉस चेक अवश्य किया जाना चाहिए। साथ ही पत्रकारिता तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। पंजाब विवि से जनसंचार में अध्ययन के पश्चात मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके श्री सिंह वर्तमान में मिशीशागा कनाडा के लिए भी पत्रकारिता कर रहे हैं। माता गुजरी देवी विवि, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब में जनसंचार विभाग के डीन रह चुके श्री सिंह ने विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान कहा कि लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए और हमेशा अपने अंदर के ईश्वर यानि अंतरआत्मा की बात सुननी चाहिए। उन्होंने छात्र–छात्राओं को खबर लिखने से पहले की तैयारी के बारे में भी जानकारी दी। छात्र–छात्राओं ने उनसे पत्रकारिता से जुड़े सवाल भी किए। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो0 अनिल गुप्ता, प्रो0 रविप्रकाश, असिस्टेंट प्रो0 डॉ0 साद बिन जिया, सतीश कुलश्रेष्ठ आदि मौजूद रहे।

मंगलायतन विवि के जनसंचार एंव पत्रकारिता विभाग में छात्र–छात्राओं से बातचीत करते पत्रकार श्री गुरूकृपाल सिंह अश्क

Joining in the Month of March and April

March

S.No.	Name	Department	Designation
1	Tinku Singh	MU Marketing	Development Officer
2	Babita Kumari	Reception & Others	Receptionist
3	Shagufta Parveen	IER	Guest Faculty
4	Krishan Kumar	Biotech. Lab Instructor	
5	Shivangi Saini	MU Marketing	Counselor
6	Ankur Dixit	Diploma Wing	Assistant Professor-1
7	Ravi Bhushan	MU Marketing	Executive-Marketing
8	Ayan Satyasheel	MU Marketing	Executive-Marketing

April

1	Gajendra Singh	MU Marketing	Marketing Executive
2	Shahina	MU Marketing	Counselor
3	Rajkumari	MU Marketing	Counselor
4	Seema	MU Marketing	Counselor
5	Gaurav	MU Marketing	Development Officer
6	Divya Chaudhary	MU Marketing	Counselor
7	D.K. Mandal	Administration	Director
8	Sharad Tyagi	Journalism & Mass Comm.	Assistant Professor-1

साधना ने ऊर्जा–2016 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आई. आई. एम. टी. कालेज अलीगढ़ द्वारा आयोजित यूथ फेस्टीवल ''ऊर्जा 2016'' सपनों की उड़ान– कलाम के सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता में मंगलायतन विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग की एम.एफ.ए की छात्रा साधना ओझा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में आठ कालेजों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का शीर्षक आतंकवाद था।

कॉलोजियम–2016 में छात्र–छात्राओं ने किया खेल प्रतिभा का प्रदर्शन

मंगलायतन विश्वविद्यालय में वर्ष 2016 के वार्षिक खेल महोत्सव कॉलोजियम–2016 का आयोजन बहुत ही उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। 04 और 05 मार्च को आयोजित 12 खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों के लगभग 650 छात्र–छात्राओं ने सोत्साह भाग लिया। महोत्सव का उद्घाटन कुलपति प्रो0 एससी जैन ने किया।

दो दिवसीय कॉलोजियम 2016 का शुभारंभ कुलपति प्रो0 एससी जैन की इस घोषणा के साथ हुआ कि विवि जल्दी ही बड़ा आयोजन करेगा। कॉलोजियम 2016 उसकी पूर्व भूमिका है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल प्रत्येक क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन में सहायक होता है। प्रारम्भ में मंच से एक्टिविटीज हेड एकेएस राजपूत ने प्रतिभागीं टीमों का परिचय प्रस्तुत किया। इसके बाद मशाल के साथ मार्च पास्ट किया गया। सर्वप्रथम कराटे टीम ने विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया, जिसमें लड़कियों के करतबों ने खूब तालियां बटोरीं। कॉलोजियम 2016 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। गणेश वंदना श्री गणेशा देवा.. रचना के साथ हुई। एक के बाद एक छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

जो जीते थे, उनके चेहरे तो खिले थे ही, पर जो हार गए थे, उनके चेहरे पर भी मुस्कुराहट थी। सभी के चेहरों पर नजर आ रहा सिर्फ खेल भावना का जज्बा। मौका था कॉलोजियम 2016 के समापन का।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपकुलपति ब्रिगेडियर डॉ0 पीएस सिवाच (रिटा0) ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शुभकामना है कि सभी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग लें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वप्निल जैन ने विजयी खिलाड़ियों को शुभकानाएं दी और हारने वाले खिलाड़ियों को कहा कि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है। इसलिए हारने वाले छात्र–छात्राएं निराश न हों। उन्होंने कहा कि हारना या जीतना बड़ी बात नहीं है बल्कि प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेना बड़ी बात है। साथ ही जल्द ही एक बड़े आयोजन की बात भी कही।

मुख्य अतिथि स्वप्निल जैन ने विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किये।

Patron
Prof. S.C. Jain - Vice Chancellor

Editorial Advisory Board
Brig.(Dr.) P.S. Siwach (PVC)
Prof. Hemant Agrawal
Mr. Anil Gupta

Editor-in-Chief
Dr. Rinku Raghuvanshi

Editorial Board
Dr. Aparna Tripathi
Dr. Ashok Upadhyay
Dr. Raghavendar Pratap Singh
Ms. Jasmine Stephan Varshney

Layout & Designing:
Ajay Holkar

Photography
Jitendra Gautam

Student Editors
Mr. Rishab Varshney (IBM)
Mr. Zainab Ali (IBM)
Ms. Pragati Chauhan (DJMC)
Mr. Abhinav Johri (DJMC)
Ms. Arpita Gupta (Biotech.)
Ms. Arpita Gupta (Biotech.)
Ms.Sukanya Raghuvanshi (ILSR)
Ms Shalini (DJMC)